www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 27 || लखनऊ
सोमवार
27 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:32
सूर्यास्तः 06:37
अधिकतमः 43°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 03

विशेष समाचार रोजगार की गारंटी से ग्रामीण... >> पेज 02 | लखनऊ-हरदोई हाईवे पर इकट्ठा... >>पेज 04 | अर्चना के बेटे से 87 हजार की ठगी...

सीएम योगी पासिंग आउट परेड में हुए शामिल, बोले- अब दंगे नहीं होते

60,244 सिपाहियों ने ली शपथ

महाभर्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी पुलिस को आज से 60,244 नए सिपाही मिल गए हैं। प्रदेशभर के 112 ट्रेनिंग सेंटरों पर पासिंग आउट परेड के बाद जिलों में ये ड्यूटी जॉइन करेंगे। सीएम योगी ने लखनऊ में परेड के दौरान महिला जवानों की सलामी ली। इससे पहले खुली जिप्सी में परेड का निरीक्षण किया था। सीएम ने कॉन्स्टेबल नेहा यादव को बेस्ट कैडेट का खिताब दिया। यूनिफॉर्म की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासन होता है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद में उतना कम खून बहाने की नौबत आएगी। बेटियों ने जिस अनुशासन के साथ प्रशिक्षण लिया है, वह अत्यंत सराहनीय है। 48 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में 150 सवाल पूछे गए थे। हर सवाल के 2 नंबर तय थे, यानी कुल 300 नंबरों की परीक्षा हुई थी। माइनस मार्किंग भी थी, हर गलत सवाल पर 0.25 नंबर काटे गए। सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए लिखित परीक्षा के बाद 1,74,316 अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया था 10 से 27 फरवरी 2025 के बीच फिजिकल टेस्ट कराया गया। 13 मार्च को फाइनल रिजल्ट घोषित किया गया था। 12,048 महिलाओं और 48,196 पुरुषों ने परीक्षा पास की थी। 15 जून 2025 को सिपाहियों को जॉइनिंग लेटर दिए गए थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

"योगी ने कहा- थ्री-नॉट-थ्री के बजाय सिपाहियों को इंसास राइफल से प्रशिक्षण दिया गया। मुझसे कहा गया कि दीक्षांत परेड में बेटियां हिस्सा ले रही हैं। तब मैंने कहा कि जहां बेटियां होंगी, वहां मैं जरूर जाऊंगा। आज प्रदेश में माफिया राज समाप्त हो चुका है। गुंडा टैक्स और वसूली पर रोक लगी है। अपराधियों के मन में पुलिस का भय है। पुलिस का मनोबल ऊंचा है। पहले न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी।"

13% से बढ़कर 36% पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी

सीएम ने कहा- पहले पुलिस बैरकों की स्थिति जर्जर थी

सीएम ने कहा- मैं उत्तर प्रदेश की 1,000 बेटियों को हृदय से बधाई देता हूं, जो पुलिस की 60,244 सिपाही भर्ती का हिस्सा बनी हैं। आज पूरे प्रदेश में एक साथ दीक्षांत परेड आयोजित हो रही है। 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइनों, 29 पीएसी बटालियनों और 112 रिपोर्टिंग प्रशिक्षण केंद्रों में यह कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे थे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा- 2017 से पहले जिस प्रदेश में दंगे होते थे, वहां महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। अब दंगे होने से पहले ही उन्हें रोकने में यूपी पुलिस सक्षम है। यूपी में अब गुंडा टैक्स और वसूली नहीं होती है। आज यूपी पुलिस देश की बेहतरीन पुलिस बल है। 2017 में प्रशिक्षण की क्षमता मात्र 3 हजार थी। 60 हजार का प्रशिक्षण यूपी के केंद्रों में ही किया गया है।

अपराधियों के लिए कठोर और नागरिकों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए'

योगी ने कहा- अब आप फील्ड ड्यूटी पर जाएंगे। अपराधियों के लिए जितना कठोर हों, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील भी होना चाहिए। आपने प्रशिक्षण लिया है। उम्मीद है कि आप यूपी पुलिस की गौरवमयी परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा- 2017 की तुलना में पुलिस का बजट तीन गुना बढ़ाया गया है।

सहारनपुर में सिपाहियों की पासिंग आउट परेड हुई

उन्होंने कहा- स्मार्ट पीटी प्रोग्राम लागू किया गया है। साथ ही कर्मयोगी पोर्टल पर 32 विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए जा रहे हैं।

योगी बोले- यूपी पुलिस में महिलाओं की भागीदारी 13 से बढ़कर 36 प्रतिशत हुई

सीएम ने कहा- उत्तर प्रदेश पुलिस अब आधुनिक तकनीकों से लैस हो रही है। 75 जनपदों में साइबर थानों की स्थापना की गई है। पुलिस कर्मियों को साइबर अपराध से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया है। लखनऊ में फॉरेंसिक साइंस संस्थान की स्थापना की गई है। इन प्रयासों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश पुलिस एक मॉडल और स्मार्ट पुलिस के रूप में उभर रही है।

उन्होंने कहा- अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह बड़ी भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई है, जिसमें 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए अनिवार्य किए गए हैं। 17 नगर निगमों में सेफ सिटी परियोजना लागू की गई है। स्पेशल पुलिस फोर्स का गठन किया गया है और अत्याधुनिक लैब स्थापित की गई हैं। प्रदेश में महिला पुलिस बल की भागीदारी 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

असम पुलिस की एफआईआर को दी चुनौती

मानहानि

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उच्च न्यायालय ने मानहानि और जालसाजी के एक मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम पुलिस ने उनके खिलाफ दर्ज किया है। खेड़ा ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। असम पुलिस ने उनके खिलाफ मानहानि और जालसाजी का मामला दर्ज किया था। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत कुमार सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा ने दर्ज कराया है। उन्होंने खेड़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। खेड़ा ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

संजय सिंह ने 7 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग

राघव चड्ढा समेत 7 सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

AAP सांसद संजय सिंह ने रविवार को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर BJP में शामिल हुए 7 सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। सिंह ने कहा कि इन सदस्यों का पार्टी छोड़ना दलबदल विरोधी कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। संजय सिंह के मुताबिक, आम आदमी पार्टी ने अधिवक्ता कपिल सिब्बल और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी सहित कई संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह ली है। AAP के 10 राज्यसभा सांसदों में से राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक, हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता ने शुक्रवार को BJP जॉइन कर ली थी। इस बीच राघव चड्ढा के इंस्टाग्राम पर करीब 19 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 48 घंटे पहले उनके फॉलोअर 14.6 मिलियन (1 करोड़ 46 लाख) थे। रविवार दोपहर तक यह 12.7 मिलियन (1 करोड़ 32 लाख) बचे हैं। स्वाति मालीवाल ने AAP और अरविंद केजरीवाल पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने 2006 से केजरीवाल के साथ काम किया, हर आंदोलन में साथ दिया, लेकिन बाद में उनके साथ पार्टी में दुर्व्यवहार हुआ।

फास्ट न्यूज

तेलंगाना में कविता ने नई पार्टी टीआरएस बनाई

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने पार्टी और परिवार से अलग होकर नई पार्टी बना ली है। इसका नाम टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र सेना) होगा। पिता के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का मूल नाम टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र समिति) ही था। यानी कविता ने पिता के छोड़े गए नाम टीआरएस को ही अपनाया है।

4 दिन में 1.24 लाख लोग पहुंचे केदारनाथ

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन को सुचारू बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना लंबी प्रतीक्षा के आसानी से दर्शन हो पा रहे हैं। धाम में ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है।

ऑल वेदर तकनीक से लैस होगी जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन

पठानकोट। रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के बर्फीले और ठंडे मौसम के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत ट्रेन लॉन्च की है, जो 30 अप्रैल से जम्मू से श्रीनगर तक चलेगी। यह महज 6 घंटे में यह सुहाना सफर पूरा करेगी। विशेष वंदे भारत ट्रेन में सिग्नेचर सेमी-हाई-स्पीड बरकरार रहेगी। इसमें पहली बार ऐसी विंटराइज़ेशन (शीतकालीन) तकनीक का उपयोग किया गया है।

पश्चिम बंगाल बम धमाका : एनआईए ने मुख्य आरोपी को दबोचा

दक्षिण 24 परगना में हुए विस्फोट मामले में बड़ी कार्रवाई

गिरफ्तारी

तमसा संकेत, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को पश्चिम बंगाल बम धमाके के एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस साल की शुरुआत में हुए इस धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बिजॉयगंज बाजार इलाके के आरोपी अहीदुल इस्लाम मोल्ला को इस साल मार्च में दक्षिण बामुनिया गांव में हुए धमाके में उसकी भूमिका की गहन जांच के बाद गिरफ्तार किया गया। इस मामले में एक और आरोपी को राज्य पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। एनआईए की जांच से पता चला है कि अहीदुल इस्लाम इस जुर्म में षड्यंत्रकारी का साथी था, जिसमें बम बनाने और सबूत मिटाने का काम शामिल था। साजिश के तहत बम तैयार करते समय वे फट गए, जिससे जुर्म में शामिल एक आरोपी की मौत हो गई।यह घटना मार्च 2026 में दक्षिण बमुनिया गांव में हुई थी। उस समय कुछ लोग बम तैयार कर रहे थे, तभी अचानक विस्फोट हो गया। इस धमाके में एक आरोपी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना ने इलाके में डर और तनाव का माहौल पैदा कर दिया था।

टीएमसी का घमंड टूटा, भाजपा की जीत तय : पीएम

ममता सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं, कोलकाता में रोड शो

रैली

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। PM नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव और हुगली के हरिपाल में रैली की। उन्होंने बनगांव में कहा, 'पहले फेज के मतदान में TMC का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। उन्होंने कोलकाता में रोड शो भी किया किया। PM ने आरोप लगाया कि TMC शासन में छोटे-छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं। उन्होंने कहा, '15 साल पहले TMC 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। TMC के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है।'

PM ने आगे कहा- 15 साल तक TMC ने बंगाल के लोगों को डराकर रखा, लेकिन वे एक बात भूल गए। जब अत्याचार अपनी सीमा पार करता है, तो जनता मां दुर्गा का रूप लेकर अन्याय का अंत करती है।' रामकृष्ण परमहंस अक्सर इस मंदिर में आते थे और भक्ति गीत गाते थे। मंदिर के भीतर कही गई उनकी वाणी दीवारों पर लिखी है- शंकरे हृदय माझे काली विराजे यानी शंकर के हृदय में काली विराजती हैं। यह भारत के उन चुनिंदा काली मंदिरों में से एक है जहां नॉन-वेज प्रसाद चढ़ाया जाता है। माना जाता है कि यह परंपरा रामकृष्ण परमहंस ने शुरू की थी, जब उन्होंने 'डाब-चिंगड़ी' (नारियल और झींगा) का भोग मां को अर्पित किया था। केजरीवाल ने कहा- सोशल मीडिया पर लोग प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

हुगली में पीएम ने कहा, 'टीएमसी सरकार ने अपने कुकर्मों की वजह से बंगाल के लोगों का भरोसा खो दिया है। यही कारण है कि लोगों को बार-बार कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।'

रोड शो से पहले पीएम ने थंथानिया कालीबाड़ी में मां काली के दर्शन किए

प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता में रोड शो से पहले मां सिद्धेश्वरी' के नाम से प्रसिद्ध मुख्य मंदिर थंथानिया कालीबाड़ी में मां काली के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। यह कोलकाता के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित काली मंदिरों में से एक है।

ममता ने चुनावी सभा में पूछा- क्या बीजेपी तय करेगी कि कोलकाता कैसा होगा?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में जनसभा में कहा, 'हम 14 साल से यहां हैं। क्या आपने कभी यहां कुछ गलत होते देखा है? क्या आपने देखा है? क्या आपने कभी कुछ गलत होते देखा? ममता ने कहा, 'भाजपा कहती है कि बंगाल में महिलाएं सड़कों पर नहीं चल सकतीं, वे कहते हैं कि यहां सब कुछ स्लम है। गरीब लोगों को यहां रहने का हक है, और जिनके पास पैसा है, उन्होंने मेहनत से कमाया है। उन्हें भी यहां रहने का हक है। क्या भाजपा तय करेगी कि कोलकाता कैसा होगा?'

संबोधन : किसानों, सिंडिकेट राज और अधूरी परियोजनाओं पर उठाए सवाल

सरकार बनने के बाद खत्म कर देंगे टीएमसी के सभी सिंडिकेट : अमित शाह

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के तेहट्टा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बंगाल की जनता ने 'दीदी का सूपड़ा साफ' कर दिया है और भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिल चुकी है। महिलाओं और युवाओं को लेकर उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो मई महीने से राज्य की हर महिला के बैंक खाते में 3,000 रुपए भेजे जाएंगे। इसके साथ ही राज्य के बेरोजगार युवाओं के खातों में भी 3,000 रुपए प्रति माह जमा कराए जाएंगे।

ममता पर किसानों की अनदेखी का आरोप

केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लहसुन किसानों के साथ राज्य सरकार ने धोखा किया है। देश के अन्य हिस्सों में लहसुन 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, लेकिन बांग्लादेश के रास्ते आ रहे नकली चीनी लहसुन की वजह से बंगाल के किसानों को अपनी उपज सिर्फ 12 रुपए प्रति किलो के भाव पर बेचनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर चीनी लहसुन की एंट्री बंद की जाएगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाएगा।

'भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी'

उन्होंने कहा कि पहले चरण में जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से 110 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि दूसरे चरण में बाकी काम पूरा कर भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी। बंगाल की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है।

दिल्ली-टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल, आग लगी

6 घायल, 4 नवजात समेत 232 लोग सवार थे, फ्लाइट ज्यूरिख जा रही थी

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट में टेकऑफ के दौरान स्विस प्लेन का इंजन फेल हो गया। स्विस एयरलाइंस की LX147 फ्लाइट शनिवार देर रात 1:08 बजे टेकऑफ करने वाली थी। तभी उसका एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि रनवे पर इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करके सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। 6 यात्री घायल हो गए। फ्लाइट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख जाने वाली थी। SWISS एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हमें दिल्ली में फ्लाइट LX147 से जुड़ी घटना के बारे में जानकारी मिली है। जिस विमान में खराबी आई, वह एयरबस A330 है। घटना भारतीय समय के अनुसार रात 1 बजे के बाद की है। जैसे ही विमान टेकऑफ करने के लिए रनवे में आया। विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया। एयरलाइन ने कहा, हमारी स्थानीय टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों की देखभाल कर रही हैं। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले पर काम कर रहे हैं। इस घटना के कारणों को पूरी तरह से समझने के लिए हमारी टीम जल्द ही दिल्ली जाएगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर यह घटना शनिवार रात एक बजे की है। हादसे के बाद एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई थी।

सम्पादकीय

क्षुद्र राजनीति पर प्रहार

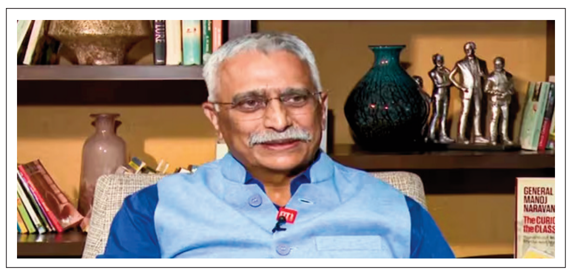

पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी अप्रकाशित पुस्तक को लेकर उपजे विवाद को लेकर जो कुछ कहा, उससे न केवल उस दुष्प्रचार पर विराम पर लगा, जिसे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अनावश्यक तूल दे रहे थे, बल्कि यह भी साफ हुआ कि चीनी सेना भारतीय जमीन पर अतिक्रमण करने में नाकाम रही थी। वैसे वे पहले भी यह कह चुके थे कि भारत ने चीन के हाथों एक भी इंच जमीन नहीं खोई और गत दिनों फिर से यही बात दोहराई, लेकिन राहुल गांधी इस पर यकीन करने को तैयार नहीं थे। वे बार-बार यही दुष्प्रचार कर रहे थे कि चीन ने हमारी जमीन हथिया ली और प्रधानमंत्री कुछ भी नहीं कर पाए। बाद में वे जनरल नरवणे के कथ्य को गलत तरीके से प्रस्तुत करने लगे। संसद के बजट सत्र में तो वे तब हद ही पार कर गए, जब उन्होंने जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के एक पत्रिका में छपे अंश की मनचाही व्याख्या की आड़ में प्रधानमंत्री को निशाने पर लेने और यह समझाने की कोशिश की कि जब तत्कालीन सेना प्रमुख उनसे चीनी सेना की आक्रामकता पर निर्देश मांग रहे थे तो उन्होंने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। राहुल ने प्रधानमंत्री की ओर से सेना प्रमुख को दिए गए इस स्पष्ट निर्देश की शरारतपूर्ण ढंग से व्याख्या की कि जो उचित समझें, वह करें। वे यहीं तक सीमित नहीं रहे। वे संसद परिसर में जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक की तथाकथित प्रति भी लहराने लगे। राजनीति में जब आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला कायम होता है, तो उसमें दुष्प्रचार का भी कुछ अंश शामिल होता ही है, लेकिन यह तो गैर जिम्मेदारी की पराकाष्ठा है कि संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए ऐसा झूठ प्रचारित किया जाए कि सीमा पर संकट के समय सेना और सरकार में सामंजस्य नहीं था। सीमाओं की सुरक्षा और सेना को लेकर अनावश्यक विवाद पैदा करना राष्ट्रीय हितों की अनदेखी ही नहीं, क्षुद्र राजनीति भी है। यह अच्छा हुआ कि जनरल नरवणे ने राहुल गांधी की ओर से उनकी अप्रकाशित पुस्तक की कथित प्रति लहराने और उनके साथ-साथ सेना को विवादों में घसीटने को अनुचित आचरण की संज्ञा देने में संकोच नहीं किया। उन्होंने यह कहकर भी एक तरह से राहुल को आईना ही दिखाया कि यदि आपको प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और सेना प्रमुख की बातों पर भी भरोसा नहीं है तो चीन से पूछ लीजिए। इसमें संदेह है कि पूर्व सेना प्रमुख की इन खरी बातों से राहुल अपनी गलती समझेंगे और उनकी सेहत पर कोई असर पड़ेगा, क्योंकि किसी भी मामले में वे अपनी मनगढ़ंत धारणा को सही सिद्ध करने की कोशिश करते रहने के आदी हो चुके हैं। वास्तव में इसी कारण वे अनावश्यक विवादों में घिरते रहते हैं।

रोजगार की गारंटी से ग्रामीण समृद्धि-उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर

मनरेगा ने मौसमी बेरोजगारी को कम कर ग्रामीण युवाओं और मजदूरों के शहरों की ओर पलायन को रोका है। पहले कृषि ऑफ-सीजन में मजदूर शहरों में काम की तलाश में चले जाते थे, लेकिन अब गांव में ही 100 दिन का काम मिलने से शहरों की ओर का पलायन रुका है।

ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने और गरीब परिवारों को सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने का उद्देश्य लेकर शुरू की गई महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) देश की सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है। इस योजना का मूल उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिन का अकुशल शारीरिक रोजगार उपलब्ध कराना, गरीबी और बेरोजगारी को कम करना तथा गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर समग्र विकास को गति देना है। यह न केवल एक रोजगार योजना है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, भूमि विकास, वनरोपण, ग्रामीण कनेक्टिविटी और सामाजिक समावेशन जैसी बहुआयामी विकास प्रक्रियाओं का माध्यम भी बन गई है। उत्तर प्रदेश, जो भारत का सबसे बड़ा राज्य है और जहां पर अधिकतर आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, इस दृष्टि से मनरेगा का विशेष महत्व है। राज्य की विशाल ग्रामीण आबादी, कृषि पर निर्भरता और मौसमी बेरोजगारी को देखते हुए यह योजना लाखों परिवारों के लिए जीवन रेखा साबित हुई है। वर्ष 2017 से मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में और मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। प्रशासनिक इच्छाशक्ति, पारदर्शिता, डिजिटल निगरानी और फर्जीवाड़े पर सख्ती ने इस योजना को नई दिशा दी है। मनरेगा की अवधारणा गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण विकास को मजबूत करने की रही है। शुरुआती वर्षों में योजना में कई चुनौतियां थीं, जैसे भुगतान में देरी, फर्जी जॉब कार्ड, कम गुणवत्ता वाले कार्य और प्रशासनिक शिथिलता। 2008-09 से 2016-17 तक के नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 100 दिन का गारंटीड रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों की संख्या मात्र 18 लाख के आसपास थी। यह आंकड़ा योजना की क्षमता और वास्तविक जरूरत के बीच अंतर को दर्शाता था। प्रदेश के वर्तमान सरकार के कार्यकाल 2017-18 से 2025-26 तक के पिछले नौ वर्षों में स्थिति में काफी बदलाव आया। इन वर्षों में 34 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को 100 दिन का गारंटीड रोजगार उपलब्ध कराया गया, जो पिछले नौ वर्षों की तुलना में लगभग दोगुनी वृद्धि है। यह वृद्धि बेहतर प्रशासन प्रबंधन, समयबद्ध भुगतान और प्रभावी निगरानी का परिणाम है। राज्य

सरकार ने योजना को प्राथमिकता दी और इसे ग्रामीण विकास की मुख्य धारा से जोड़ा। विभिन्न रिपोर्टों और सरकारी आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश कई बार 100 दिन रोजगार उपलब्ध कराने में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल रहा है। मानव दिवस सृजन तथा धनराशि व्यय में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। उदाहरण के लिए, 2024-25 में राज्य ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया जो मनरेगा के इतिहास में सर्वाधिक (कोरोना काल को छोड़कर) रहा, जहां 6 लाख से अधिक परिवारों को लाभ मिला है। 2025-26 में 100 दिन पूर्ण करने वाले परिवारों की संख्या में भागीदारी और परिसंपत्ति निर्माण में निरंतरता बनी रही। कुल मिलाकर, योजना ने बेरोजगारी कम करने और स्थानीय रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदेश सरकार ने मनरेगा के क्रियान्वयन में डिजिटल क्रांति लाई। मजदूरी भुगतान को पूरी तरह डिजिटल और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डी.बी.टी.) से जोड़ा गया, जिससे श्रमिकों को सीधे उनके बैंक खातों में पैसा पहुंचता है। इससे भुगतान में देरी कम हुई और फर्जीवाड़ा लगभग समाप्त हो गया। पहले के वर्षों में भुगतान संबंधी शिकायतें आम थीं, लेकिन अब एनएमएमएस ऐप, जियो-टैगिंग जैसी तकनीकों से कार्यों की गुणवत्ता और उपस्थिति की जांच आसान हो गई है। फर्जी जॉब कार्ड और बोगस अटेंडेंस पर सख्त कार्रवाई की गई। सिटिजन इंफॉर्मेशन बोर्ड हर कार्य स्थल पर लगाए जाते हैं, ताकि स्थानीय लोग योजना की जानकारी रख सकें। सोशल ऑडिट को मजबूत किया गया और शिकायत निवारण तंत्र को समयबद्ध बनाया गया। इन सुधारों का परिणाम यह हुआ कि योजना का लाभ वास्तविक पात्रों-खासकर गरीब, दलित, आदिवासी और महिलाओं तक पहुंचा। राज्य सरकार की सक्रिय निगरानी ने सुनिश्चित किया गया है कि रोजगार की मांग पर 15 दिनों के अंदर कार्य उपलब्ध हो और संबंधित मजदूर को मजदूरी समय पर मिले। मनरेगा केवल रोजगार नहीं, बल्कि स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी करती है। उत्तर प्रदेश में इन नौ वर्षों में आंतरिक सड़क निर्माण, तालाबों का पुनर्जीवन, जल संरक्षण संरचनाएं, वृक्षारोपण, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वच्छता संबंधी कार्य और भूमि विकास जैसे हजारों उपयोगी प्रोजेक्ट पूरे किए गए। अमृत सरोवर योजना से जल संरक्षण कार्यों में विशेष जोर दिया गया, जिससे सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता बढ़ी और कृषि उत्पादकता में सुधार हुआ। मनरेगा के तहत इन 09 वर्षों में गाँवों के चकरोडों, आम आवागमन के रास्तों को खड़ंजा आदि निर्माण कराया गया इससे ग्रामीण कनेक्टिविटी के नए रास्ते बने और गांवों की बाजारों से जुड़ाव मजबूत हुआ। तालाबों की खुदाई और पुराने जल स्रोतों का जीर्णोद्धार करने से जलसंचयन, वाटर रिचार्ज सिंचाई सुविधा बढ़ी और मछली पालन जैसे सहायक व्यवसायों को बढ़ावा मिला। वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण हुआ और गांवों में हरियाली बढ़ी। इन परिसंपत्तियों ने न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, बल्कि दीर्घकालिक विकास की नींव भी रखी। मनरेगा के तहत बनी परिसंपत्तियां भूमि मूल्य बढ़ाने, फसल पैटर्न बदलने और जल स्तर सुधारने में सहायक साबित हुई हैं, जिससे ग्रामीण स्तर पर खुशहाली आई है। मनरेगा के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। राज्य में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ी है। कई वर्षों से यह 40 प्रतिशत से अधिक रही। 2024-25 में महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत तक पहुंच गई। महिलाएं न केवल मजदूरी से रुपया कमाती हैं, बल्कि परिवार की आय बढ़ाने और निर्णय लेने में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

बी0एल0 यादव

जन सुराज का...

राजेश राय

"कचरे को संपदा में बदलने की बना मिसाल" औरैया जनपद के अछल्दा ब्लॉक के ग्राम पंचायत हरचंदपुर

औरैया जनपद के अछल्दा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हरचंदपुर को ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं के अभाव के कारण गंभीर पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। गांव में कचरा खुले स्थानों पर फेंका जाता था, सड़कों पर गंदगी रहती थी तथा प्लास्टिक कचरे के कारण बीमारियां फैलाने वाले कीट-पतंगे बढ़ते थे। समुदाय के लोगों को आवागमन में भी कठिनाई होती थी क्योंकि कचरा रास्तों और सड़कों पर फैल जाता था। ग्राम पंचायत के सफाई कर्मचारियों द्वारा गांव की सफाई कर कचरे को एक स्थान पर एकत्र तो किया जाता था, लेकिन उसके निस्तारण की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। परिणामस्वरूप, जमा हुआ कचरा पुनः समुदाय के लिए समस्या बन जाता था। ग्राम पंचायत की कुल जनसंख्या लगभग 14,600 है, जिसमें 2,200 परिवार, 210 व्यावसायिक दुकानें तथा 11 संस्थान शामिल हैं। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पहल के अंतर्गत स्थानीय प्रशासन एवं पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से रिसोर्स रिकवरी सेंटर का निर्माण किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्राप्त बजट के आधार पर ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार की गई। इसके तहत ग्राम पंचायत में व्यवस्थाएं स्थापित की गईं है जिसमें रिसोर्स रिकवरी सेंटर, सामुदायिक कम्पोस्ट पिट, वर्मी कम्पोस्टिंग पिट,

नाडेप यूनिट, सामुदायिक डस्टबिन, सामुदायिक सोख पिट, काले पानी के लिए लीच पिट, सिल्ट कैचर, फिल्टर चौंबर, गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन, प्लास्टिक कचरे के संग्रहण हेतु प्लास्टिक बैंक प्रमुख है। इन व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई और ग्राम पंचायत स्तर पर इन्हें स्थापित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही सभी समुदाय के लोगों को कचरे के उचित निस्तारण एवं पृथक्करण के प्रति जागरूक किया गया। घर-घर कचरा संग्रहण प्रणाली लागू की गई तथा वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग किसानों द्वारा अपनी फसलों में उर्वरक के रूप में किया जाने लगा। जैविक एवं अजैविक कचरे को अलग-अलग करके पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग को बढ़ावा दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत को मॉडल पंचायत बनाने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में 71 लाख रुपये का बजट उपलब्ध कराया गया। मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जिलाधिकारी, औरैया के निर्देशानुसार स्वच्छता शुल्क भी एकत्र किया जाने लगा। इसके तहत-प्रत्येक परिवार से 30 रुपये, व्यावसायिक दुकानों से 50 रुपये, संस्थानों से 50 रुपये शुल्क लिया जाने लगा, जिसके बदले समुदाय को घर-घर कचरा संग्रहण, ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा उठान एवं उचित निस्तारण जैसी सेवाएं प्रदान की गईं। रिसोर्स रिकवरी सेंटर की इस पहल का समुदाय पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा जिसमें खुले में कचरा फेंकने की प्रवृत्ति में कमी आई, जलजनित रोगों और बीमारियों का खतरा कम हुआ, कम्पोस्टिंग और पुनर्चक्रण के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हुआ, कचरे के पृथक्करण से आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ, ग्राम पंचायत की आय में वृद्धि हुई, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बने, घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था सफलतापूर्वक लागू हुई। इस पहल के माध्यम से ग्राम पंचायत द्वारा 1,05,790 रुपये की स्वयं अर्जित आय एकत्र की गई, जिसे ग्राम पंचायत खाते में जमा किया गया। इस पहल के परिणामस्वरूप ग्राम पंचायत का पर्यावरण और स्वास्थ्य स्तर काफी बेहतर हुआ। गांव की सड़कें और रास्ते स्वच्छ एवं साफ दिखाई देने लगे, जिससे बीमारियों की संभावना कम हुई। समुदाय में एक सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण का निर्माण हुआ। ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, पंचायत सहायक, प्रभावशाली व्यक्तियों, ब्लॉक मोटिवेटर-एसबीएम (जी), धार्मिक नेताओं, विद्यालय शिक्षकों, स्वयं सहायता समूहों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं द्वारा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे। जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा नियमित समीक्षा की गई तथा स्थानीय अधिकारियों को अपशिष्ट प्रबंधन एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम पंचायत की चुनौतियों को समझने और उनका समाधान निकालने के लिए टभ्ैछब् ;टपससंहम भ्मंसजी ैंदपजंजपवद ंदक छनजतपजपवद ब्वउउपजज-मम) की नियमित बैठकें भी आयोजित की गईं। आज ग्राम पंचायत हरचंदपुर का स्वरूप आकर्षक बन चुका है। पंचायत का वातावरण स्वच्छ एवं सुंदर है। इस पंचायत से प्रेरित होकर अन्य ग्राम पंचायतें भी इसी प्रकार के कार्यों को अपनाने लगी हैं। इस ग्राम पंचायत की सफलता की कहानी "स्टेट वॉटर एंड सैनिटेशन मिशन उत्तर प्रदेश" के ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स पर भी साझा की गई।

बाद में सुरक्षा...

रामस्वरूप रावतसरे

कई सवाल खड़े करता है, वैष्णो देवी मंदिर के चढ़ावे में नकली चाँदी का खेल

माता वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों द्वारा चढ़ाई जाने वाली चाँदी को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। इससे मंदिर के आसपास बिकने वाली चीजों की असलियत पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। समाचार पत्र की एक रिपोर्ट के अनुसार जिस चाँदी को भक्त असली समझकर चढ़ा रहे थे उसमें असल में बहुत कम चाँदी और बाकी सस्ती व जहरीली धातुएँ मिली हैं। यह मामला तब सामने आया जब श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने करीब 20 टन जमा चढ़ावे को पिघलाने और सुरक्षित रखने के लिए सरकारी टकसाल (मिंट) में भेजा। जब वहाँ इसकी जाँच हुई तो अधिकारी भी हैरान रह गए। जाँच में पता चला कि इस पूरी धातु में सिर्फ 5-6 प्रतिशत ही असली चाँदी है। चाँदी के बजाय बाकी का हिस्सा ज्यादातर कैडमियम और लोहे का था। जहाँ चाँदी की कीमत करीब 2,75,000 रुपए प्रति किलो है तो वहीं कैडमियम की कीमत सिर्फ 400-500 रुपये प्रति किलो है। यानी चढ़ावे की असली कीमत उम्मीद से बहुत कम निकली। पहले अनुमान लगाया गया था कि इन चढ़ावों से करीब 500-550 करोड़ रुपए की चाँदी निकलेगी। हालाँकि अब साफ हो गया है कि असल कीमत सिर्फ करीब 30 करोड़ रुपए ही हो सकती है। एक मामले में करीब 70 किलो चढ़ावे में से सिर्फ 3 किलो ही असली चाँदी निकली। इसे अलग करने में टकसाल अधिकारियों को लगभग 3 महीने लग गए और इससे पता चलता है कि समस्या कितनी गहरी है। जानकारों के अनुसार चांदी में कैडमियम का होना इस मामले को और गंभीर बना देता है। यह धातु न सिर्फ सस्ती बताई जा रही है बल्कि खतरनाक भी है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के नियमों के तहत इसे उपभोक्ता सामान में इस्तेमाल करना प्रतिबंधित है क्योंकि इससे निकलने वाली गैसें कैंसर पैदा कर सकती हैं बताया जा

रहा है कि इसी वजह से टकसाल अधिकारियों ने शुरुआत में इस धातु को प्रोसेस करने से मना कर दिया था। बाद में सुरक्षा इंतजाम और खास मशीनों के इंतजाम के बाद ही काम शुरू किया गया। फिर भी ज्यादा चांदी वाले हिस्सों को पहचानने के लिए करीब 25 लाख रुपए की कीमत वाले खास हैंडहेल्ड डिवाइस का इस्तेमाल करना पड़ा। इससे जुड़े अधिकारियों के अनुसार ऐसी जहरीली धातुओं को संभालना कर्मचारियों के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी खतरनाक है और इससे हवा-पानी दोनों प्रदूषित हो सकते हैं। जानकारों का कहना है कि टकसाल ने पिछले एक साल में कई बार इस मुद्दे को उठाया है। इसके लिए उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा के दफ्तर और मंदिर बोर्ड को पत्र भी लिखा गया। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह भक्तों के साथ धोखा है क्योंकि वे अच्छी नीयत से सामान खरीदते हैं लेकिन उन्हें असलियत का पता नहीं होता। ऐसी मिलावटी चाँदी के सामान की बिक्री तुरंत रोकी जानी चाहिए। जानकारों की माने तो भारत के अन्य प्रमुख मंदिरों जैसे तिरुपति, सिद्धिविनायक, गुरुवायूर देवस्वम या श्रीकालहस्ती में इस तरह की मिलावट की कोई खबर सामने नहीं आई है। इससे शक और गहरा हो गया है कि समस्या वैष्णो देवी यात्रा मार्ग के आसपास के स्थानीय ज्वेलर्स और दुकानदारों में हो सकती है। माना जा रहा है कि ये दुकानदार चाँदी जैसी दिखने वाली चीजें बेच रहे हैं।

आधुनिकीकरण की राह पर रेलवे

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। ये ट्रेनें रोजाना दो करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किमी से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। यह व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी ट्रेन की गति को प्रभावित कर सकती है। रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल रहे हैं। इन प्रयासों ने रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 किमी ट्रैक में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम-सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किमी से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किग्रा वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार ढुलाई और तेज गति सुनिश्चित करती हैं। जहां मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, वहीं समय रहते खराबी पकड़ना भी जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की जाती है। इसके तहत करीब 36.2 लाख किमी ट्रैक और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीक भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनों और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जो ट्रेन यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

अश्विनी वैष्णव

जरा हटके

गोवंश संरक्षण के...

बदनसीब-खुशनसीब

निराश्रित गोवंश संरक्षण

आज के समय में पाँच महाव्रत धारी साधु - सन्त आदि अपने आपको ख़ुशनसीब समझते है क्योंकि उनको पता होता है की मनुष्य भव में ही धर्म - ध्यान से कर्म निर्जरा से ही मोक्ष को प्राप्त किया जा सकता हैं अन्य गती से प्राप्त नहीं किया जा सकता हैं । साधु - सन्त फ़रमाते भी है की हम इतने ऊँचे आ गये हैं या इतने ख़ुशनसीब हैं की हमने दुर्लभ मानव जीवन प्राप्त कर लिया हैं । इसके आगें का रास्ता हमारे कर्म अनुसार निर्भर हैं । तीन वणिक व्यापार के लियें बराबर - बराबर धन लेकर सुदूर गये । तीनो ने अपना काम किया । पहले वणिक ने व्यापार में अपनी मूल पूँजी तो खोयी जो खोयी उसके हालात ऐसे हो गये की उसके खाने के भी लाले पड़ गये इसको धर्म की द्रष्टि से अपन समझें तो कर्म की ख़ुशनसीबी से जो दुर्लभ मानव जीवन प्राप्त किया उसमें अच्छा तो नहीं जोड़ा उलटा आत्मा रूपी जीव बदनसीबी से पाप कर्म करके नरक गति का आयुष्य बाँध लिया । दूसरे वणिक ने व्यापार में कुछ जोड़ा तो नही परन्तु अपनी मूल पूँजी सुरक्षित रख ली यानी न घटा न बढ़ा हैं जितना रख लिया । धार्मिक दृष्टि से मानव जीवन प्राप्त किया व निरन्तर कर्म करता गया और आगे भी मानव जीवन का आयुष्य बाँध लिया न कर्म गति में घटा न कर्म गति में बढ़ा मानव जीवन लगातार रख पाया । तीसरे वणिक ने अपने व्यापार में नेकि - ईमान से ख़ूब - ख़ूब बढ़ोतरी की मूल पूँजी को तो उसने सुरक्षित रखा ही साथ में इसमें उसने ख़ूब - ख़ूब बढ़ोतरी भी की । अध्यात्म नज़र से 84 लाख जीव - योनीयो में से एक मानव जीवन मिला और इस मानव भव में धर्म - ध्यान ,योग ,साधना आदि से अपने कर्म तो हल्के किये ही साथ में ऊँच गती (देव गती , मोक्ष गती) का आयुष्य कर्म बाँध कर ऊँच गति प्राप्त की । था तीनो के मानव जीवन परन्तु अपने मानव जीवन के कर्म अनुसार ख़ुशनसीबी , बदनसीबी से उन्होंने अगले भव प्राप्त किये । हर आदमी चाहता है हर - पल सुख। नहीं चाहता हैं कोई दुःख। व सुख को पाने के लिए खोजता है रोज़ कोई न कोई रास्ता। जों हैं भोग की सामग्री का आविष्कार है सबसे बड़ा रास्ता। अनिवार्य आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया पदार्थों का नित नया निर्माण। ज्यों -ज्यों बढ़ा निर्माण बेहिसाब त्यों - त्यों उसकी इच्छाएं बढ़ती गई बेहिसाब। बदल गया उसका पूरा सोचउत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व एवं कुशल दिशा-निर्देशन में पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में भारतीय संस्कृति की आस्था के प्रतीक गौवंश के

संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए उल्लेखनीय कार्य राज्य सरकार द्वारा किये गये हैं। पूर्ववर्ती सरकारों के समय उत्तर प्रदेश में निराश्रित गोवंश की समस्या लंबे समय तक किसानों, ग्रामीण समाज और शहरी जीवन के लिए एक गंभीर चुनौती बनी रही। खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान, सड़कों पर दुर्घटनाओं का खतरा और पशुओं की दयनीय स्थिति को केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना से जुड़े मुद्दे की गंभीरता को समझते हुए प्रदेश में गोवंश संवर्धन तथा निराश्रित बेसहारा छुट्टा गोवंश के संरक्षण एवं भरण-पोषण के उद्देश्य से निराश्रित गोवंश संरक्षण नीति-2019 का प्राख्यापन कर समस्त निराश्रित गोवंश संरक्षण का कार्य प्रथम बार किया गया है। आज यह नीति जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम दे रही है। गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है और इस हेतु प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 6,433 अस्थायी गो आश्रय स्थल, 518 वृहद गो संरक्षण केंद्र और 253 कांजी हाउस संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त शहरी क्षेत्रों में 323 कान्हा गो आश्रय स्थल स्थापित किए गए हैं। इस प्रकार पूरे प्रदेश में कुल 7,527 गो आश्रय स्थलों का एक सुदृढ़ नेटवर्क विकसित किया गया है, जिसमें लगभग 12.39 लाख निराश्रित गोवंश सुरक्षित रूप से संरक्षित किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा प्रति गोवंश प्रतिदिन 50 रूपये की धनराशि दी जा रही है। प्रदेश सरकार ने गोवंश की चुनौती को व्यापक स्तर पर स्वीकार करते हुए ठोस व्यवस्थाओं का विकास करके गौवंश संरक्षण किया है। गो आश्रय स्थलों के संचालन और गोवंश के भरण-पोषण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिदिन लगभग 7.50 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जा रही है। यह व्यय पशु संरक्षण, किसान सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दीर्घकालिक निवेश है। सरकार की यह प्रतिबद्धता स्पष्ट करती है कि गोवंश संरक्षण को एक मानवीय और सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण स्तंभ "मा0 मुख्यमंत्री सहभागिता योजना" है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 1,14,481 इच्छुक लाभार्थियों को 1,83,389 निराश्रित गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं। इससे गोवंश को स्थायी आश्रय मिलने के साथ-साथ पशुपालकों की आय में भी वृद्धि हो रही है। गोवंश संरक्षण हेतु सेन्ट्रल प्रोजेक्ट मानिटरिंग यूनिट की स्थापना की गयी है, जिससे निराश्रित गोवंश आदि का अनुश्रवण किया जा रहा है एवं डी०बी०टी० के माध्यम से भरण पोषण की धनराशि सीधे गो आश्रय स्थलों को तथा सहभागियों के खाते में अन्तरित की जा रही है। यह योजना आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रही है, जिसमें संरक्षण और आजीविका-दोनों का संतुलन दिखाई देता है। प्रदेश में गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण को भी प्राथमिकता दी गई है। अब तक 630 वृहद गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, जिनमें से 539 केंद्रों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और 518 केंद्रों को क्रियाशील किया जा चुका है। प्रत्येक वृहद गो संरक्षण केंद्र में लगभग 400 गोवंश को रखने की क्षमता निर्धारित की गई है, तथा प्रति केंद्र निर्माण लागत लगभग 160.12 लाख रुपये है। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2026-27 में नए वृहद गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण हेतु 100.00 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है। प्रदेश सरकार इस दिशा में निरंतर विस्तार और सुदृढ़ीकरण पर कार्य कर रही है। गोवंश संरक्षण के इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब कृषि क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। गो आश्रय स्थलों में पशुओं के व्यवस्थित संरक्षण के कारण खेतों में फसलों को होने वाले नुकसान में भारी कमी आई है। गो आश्रय स्थलों से निकलने वाले गोबर का उपयोग खाद का उपयोग करके प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है और प्रदेश में अन्न उत्पादन में भी निरंतर बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यह पहल किसानों के लिए राहत का एक मजबूत आधार बनकर उभरी है। गोवंश के भरण-पोषण को सुनिश्चित करने के लिए "भूसा-संग्रहण अभियान" एक महत्वपूर्ण कदम है। 15 अप्रैल 2026 से 31 मई 2026 तक चलाए जा रहे इस अभियान के तहत 60.99 लाख कुंतल भूसा संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डेनमार्क से हार के बाद वापसी की, सिंधु-तनीषा की जोड़ी ने जीता डबल्स मुकाबला

उबेर कप में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से हराया

- पीवी सिंधु को सिंगल्स में आराम दिया गया, वहीं उन्होंने डबल्स में तनीषा के साथ मिलकर जीत दिलाई।
- उन्नति हुड्डा ने पोलिना बुहरोवा को हराकर टीम को जीत के साथ शुरुआत दी।

पीवी सिंधु

मुबंई, एजेंसी

Uber Cup 2026 में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी क्वार्टर फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ग्रुप-A के दूसरे मुकाबले में भारत ने यूक्रेन को 4-1 से हराकर जोरदार वापसी की और टूर्नामेंट में खुद को मजबूती से बनाए रखा। इससे पहले भारतीय टीम को मेजबान Denmark के खिलाफ पहले मुकाबले में 2-3 से करीबी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन दूसरे मैच में खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। यूक्रेन के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। सिंगल्स और डबल्स दोनों कैटेगरी में टीम ने बेहतर तालमेल और रणनीति का प्रदर्शन किया, जिसका नतीजा 4-1 की एकतरफा जीत के रूप में सामने आया। इस जीत ने न सिर्फ टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया, बल्कि ग्रुप स्टेज में आगे बढ़ने की उम्मीदों को भी मजबूत किया है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला अब डिफेंडिंग चैंपियन China से होना है, जो सोमवार को खेला जाएगा। यह मैच भारत के लिए 'करो या मरो' जैसा होगा, क्योंकि क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए इस मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन जरूरी है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर ग्रुप से केवल टॉप-2 टीमें ही नॉकआउट चरण में प्रवेश करती हैं। ऐसे में चीन के खिलाफ जीत या मजबूत प्रदर्शन भारत के लिए बेहद अहम होगा। पहले मैच में हार के बाद भारतीय टीम पर दबाव था।

उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने अपने- अपने मैच जीते

भारत की ओर से पहले सिंगल्स मैच में उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को सीधे सेटों में 21-19, 22-20 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने अपनी लय बरकरार रखी। तन्वी ने येवहेनिया कांटेमिर को तीन सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया।

यूक्रेन पर जीत के बाद अब भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ग्रुप-अ में भारत का अगला और आखिरी मुकाबला सोमवार को चीन से होगा। चीन इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है। इसके बाद जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा ने अपनी लय बरकरार रखी।

उन्नति हुड्डा ने पोलिना बुहरोवा को हराकर टीम को जीत के साथ शुरुआत दी।

डबल्स में मिला-जुला रहा प्रदर्शन, सिंधु-तनीषा की जोड़ी जीती

भारत को इकलौती हार पहले महिला डबल्स मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी यूक्रेन की बुहरोवा और कांटेमिर के सामने नहीं टिक सकी और 11-21, 17-21 से मैच हार गई। हालांकि, आखिरी मैच में पीवी सिंधु और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने भारत का दबदबा कायम रखा।

देविका सिहाग ने पक्की की जीत

इस मुकाबले में टीम मैनेजमेंट ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु को सिंगल्स मैच में आराम दिया था। उनकी जगह थाइलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरा सिंगल्स खेलने का मौका मिला। देविका ने इस भरोसे को सही साबित किया और मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। उनके जीतते ही भारत ने मुकाबले में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को हराया

दीप्ति ने 36 रन बनाए और 5 विकेट भी लिए, अफ्रीका सीरीज में 3-1 सं आगे

मुबंई, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने चौथे टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका को 14 रन से हरा दिया। हालांकि साउथ अफ्रीका पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी है। पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में वह 3-1 से आगे है। जोहान्सबर्ग में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम निर्धारित ओवरों में लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा जीत की स्टार रहीं। उन्होंने बल्ले से 36 रन बनाने के बाद गेंदबाजी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके। मैच से पहले सबकी नजरें दीप्ति शर्मा की फॉर्म पर थीं। उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए 26 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली। जब टीम 120 रन पर 5 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, तब दीप्ति और ऋचा घोष ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए नाबाद 65 रनों की साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत भारत 185 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच पाया। ऋचा घोष ने भी अंत में तेज तर्रार पारी खेली। नियमित उप-कप्तान स्मृति मंधाना को इस मैच में आराम दिया गया था। उनकी जगह अनुष्का शर्मा को ओपनिंग का मौका मिला। अनुष्का ने शानदार शुरुआत की और 18 गेंदों में 27 रन बनाए। हालांकि, पावरप्ले की आखिरी गेंद पर तजमीन ब्रिट्स ने मिडविकेट पर उनका एक कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत कर दिया। शेफाली वर्मा भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और 3 ओवर के भीतर ही पवेलियन लौट गईं। भारतीय पारी के दौरान 12वें ओवर के बाद अचानक विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ। भारती फुलमाली को एलबीडब्ल्यू (LBW) दिया गया, जबकि रिप्ले में लग रहा था।

फास्ट न्यूज

राघव चड्ढा पर प्रकाश राज ने कसा तंज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर BJP में शामिल होने वाले सांसद राघव चड्ढा पर एक्टर प्रकाश राज ने तंज कसा। प्रकाश राज ने ट्विटर पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मैं पुलिस फोर्स छोड़ रहा हूं क्योंकि वे अपराध से लड़ने के अपने वैल्यूज से भटक गए हैं। इसलिए मैं दाऊद इब्राहिम से जुड़ रहा हूं - राघव चड्डी।' इसके साथ उन्होंने हंसने वाला इमोजी और #justasking भी लिखा।

चाबहार की हिस्सेदारी ईरानी कंपनी को सौंप सकता है भारत

नई दिल्ली। भारत ईरान के चाबहार पोर्ट में अपनी हिस्सेदारी ईरानी कंपनी को सौंप सकता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम अस्थायी तौर पर उठाया जा सकता है, ताकि अमेरिका के प्रतिबंधों से मिली छूट खत्म होने के बाद भी काम जारी रह सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का इस पोर्ट में 1100 करोड़ का निवेश है। भारत सरकार इस मुद्दे पर अमेरिका और ईरान दोनों से अलग-अलग बातचीत कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यह बातचीत बेहद संवेदनशील है और इसमें शामिल अधिकारियों ने पहचान उजागर करने से इनकार किया है। भारत को नवंबर 2025 में छह महीने की छूट मिली थी, जिससे चाबहार पोर्ट पर बिना रुकावट काम होता रहा। यह छूट इस महीने खत्म हो रही है।

निफ्टी 23,500 तक गिर सकता है

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में कल यानी 27 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में काफी हलचल देखने को मिल सकती है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की पॉलिसी मीटिंग, 200 से ज्यादा कंपनियों के तिमाही नतीजे और ईरान-अमेरिका के बीच जारी तनाव जैसे 5 बड़े फैक्टर्स बाजार की दिशा तय करेंगे। सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती।

पंजाब किंग्स की जीत पर प्रीति जिंटा ने बधाई दी

कहा- श्रेयस, यह जीत रिकॉर्ड में दर्ज होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल मैच में पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया, जिसके बाद टीम की को-ऑनर प्रीति जिंटा ने खुशी जाहिर की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर टीम और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए जीत की बधाई दी। प्रीति ने अपनी पोस्ट में सबसे पहले विरोधी टीम दिल्ली कैपिटल्स के बैट्समैन केएल राहुल की शानदार पारी के लिए उन्हें बधाई दी। वहीं, प्रीति ने अपनी टीम को लेकर लिखा, "श्रेयस अय्यर, यह जीत रिकॉर्ड में दर्ज हो जाएगी। आज वाकई गर्मी थी।" साथ ही उन्होंने प्रभसिमरन सिंह, प्रियंश आर्या, नेहाल वढेरा और शशांक सिंह की भी तारीफ की। मैच की बात करें तो पंजाब किंग्स ने टी20 इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्यों में से एक 265 रन का सफल पीछा किया। दिल्ली की ओर से केएल राहुल ने 67 गेंदों में 152 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेली। इसके साथ वह आईपीएल में 150 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। उन्होंने भारत के पुरुष टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया, हालांकि उनकी यह पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। पंजाब किंग्स ने इससे पहले 2024 सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रन का पीछा कर रिकॉर्ड बनाया था। इस बार टीम ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

अर्चना के बेटे से 87 हजार की ठगी

आयुष्मान से फ्री ट्रायल के नाम पर कंपनी ने पैसे लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी के छोटे बेटे आयुष्मान सेठी हाल ही में कथित क्रेडिट कार्ड स्कैम का शिकार हो गए। उनसे 87,000 की ठगी हुई। इस घटना के बारे में आयुष्मान ने बड़े भाई आर्यमान के यूट्यूब व्लॉग में बताया। व्लॉग के एक हिस्से में घबराए हुए आयुष्मान कहते नजर आए, 'मेरे क्रेडिट कार्ड से 87,000 कट गए।' पास बैठीं अर्चना ने तुरंत कहा, 'कार्ड कैंसल करो। क्रेडिट कार्ड कंपनी को कॉल करो।' आयुष्मान ने बताया, 'उन्होंने 7 दिन के फ्री ट्रायल के नाम पर पूरे साल का पैसा ले लिया।' यह सुनकर अर्चना ने हैरानी जताई और फिर से कार्ड कैंसल करने की सलाह दी। इस पर परमीत ने कहा, 'कार्ड नहीं, पेमेंट कैंसल करो।' आयुष्मान ने पूछा, 'वह ऑप्शन कहां मिलेगा?' यह सुनकर पूरा परिवार हंस पड़ा। आर्यमान ने मजाक में कहा, 'ये पैसे मम्मी-पापा से नहीं मिलेंगे।' अर्चना ने भी कहा, 'ये तुम्हारे अपने पैसे हैं।' आयुष्मान ने सफाई देते हुए कहा, 'मैंने यह

पापा के लिए किया था।' बाद में जब वेबसाइट का नाम पूछा गया तो आयुष्मान ने कहा कि उन्हें इस समय उसका नाम याद नहीं है। उन्होंने साफ किया कि यह कोई संदिग्ध वेबसाइट नहीं थी, बल्कि वे उसका इस्तेमाल कर रहे थे। फिर एक घंटे बाद बिना मेरी अनुमति 87,000 काट लिए गए।' जब आर्यमान ने पूछा कि क्या कंपनी से संपर्क करने का कोई तरीका है, तो आयुष्मान ने कहा, 'वे सिर्फ AI से बात करवा रहे हैं।' परमीत ने सुझाव दिया कि कंपनी के हेल्प सेंटर के ईमेल पर संपर्क किया जा सकता है। इस पर आयुष्मान ने कहा कि करीब एक साल पहले भी उनके साथ ऐसा ही फ्रॉड हुआ था।

7 दिन का फ्री ट्रायल लिया था: आयुष्मान

मौजूदा मामले पर आयुष्मान ने बताया, 'किसी ने मेरी अनुमति के बिना मेरे क्रेडिट कार्ड से पैसे ले लिए। 7 दिन के ट्रायल का विकल्प था और कहा गया था कि सातवें दिन के बाद चार्ज करेंगे, लेकिन उन्होंने एक ही बार में पूरे साल का 87,000 काट लिए।' परमीत ने कहा, 'तुम हमेशा जल्दी में रहते हो।' इस पर आयुष्मान ने जवाब दिया, 'मैं जल्दी में नहीं था। मैं यह आपके लिए कर रहा था। मैं ही इसे संभाल रहा हूं और खुद ही ठीक करूंगा।'

आर्यमान ने बताया कि इससे पहले भी आयुष्मान के साथ ऐसा हो चुका है। उन्होंने कहा, 'जब हम मेरे गाने 'छोटी बातें' की रेकी कर रहे थे, तब आयुष्मान को मैसेज आया था कि उसके प्लेस्टेशन अकाउंट से करीब 80,000 कट गए हैं।

चश्मदीद बोले- 7 राउंड फायरिंग हुई, गेस्ट टेबल के नीचे छिपे, हमलावर पकड़ाया

डिनर के दौरान फायरिंग, ट्रम्प को सुरक्षित निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बडे.अफसर मौजूद थे। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी कि हमलावर को मार गिराया गया। हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी। कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर मीडिया और राजनीति का एक एक खास सालाना कार्यक्रम होता है। इसे व्हाइट हाउस कवर करने वाले पत्रकारों का संगठन व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन आयोजित करता है। इसमें राष्ट्रपति खुद पर, अपने विरोधियों पर और मीडिया पर मजाक करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राहत जताई कि राष्ट्रपति ट्रम्प, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत सब सुरक्षित है उन्होंने आगे लिखा, "लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।"

डिनर के दौरान फायरिंग करने वाला शख्स कौन

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। पब्लिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, एलन पार्ट-टाइम टीचर और वीडियो गेम डेवलपर था। उसकी प्रोफाइल के मुताबिक, वह दिसंबर 2024 में 'टीचर ऑफ द मंथ' चुना गया था। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी डोमिंगुएज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स डिग्री हासिल की थी।

जहां कार्यक्रम, उसी होटल में ठहरा था हमलावर

पुलिस विभाग के अंतरिम चीफ जेफरी कैरोल के मुताबिक, हमलावर उसी होटल में मेहमान था, जहां व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट का डिनर कार्यक्रम हो रहा था। जिस कमरे में वह ठहरा था, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वॉशिंगटन डीसी की मेयर ने बताया कि हमलावर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि हमलावर पर दो आरोप लगे हैं। पहला, हिंसक अपराध के दौरान हथियार इस्तेमाल करना। दूसरा, खतरनाक हथियार से फेडरल अधिकारियों पर हमला करना। हमलावर को सोमवार को फेडरल अदालत में पेश किया जाएगा।

2024 में चुनाव से पहले ट्रम्प पर गोली चली थी

13 जुलाई 2024 को ट्रम्प पर पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। जिसमें एक गोली ट्रम्प के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को छूती हुई निकल गई। गोली चलने के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने तुरंत ट्रम्प को चारों तरफ से घेर लिया था।

अब एच-1 बी वीजा पर 3 साल रोक की तैयारी

डोनाल्ड ट्रम्प की पार्टी के सांसदों ने कड़े प्रावधानों वाला बिल संसद में पेश किया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के राज में भारतीयों के लिए 'अमेरिकन ड्रीम' दुःस्वप्न बनता जा रहा है। अब ट्रम्प की पार्टी के सांसदों ने एच-1 बी वीजा पर 3 साल तक रोक सहित कई अन्य कड़े प्रावधानों वाला बिल संसद में पेश किया है। 7 रिपब्लिकन सांसदों की ओर से कांग्रेस (संसद) में पेश किए गए इस एच-1 बी दुरुपयोग रोकथाम बिल-2026 का उद्देश्य अमेरिकी लोगों के लिए नौकरी के ज्यादा मौके बनाना है। एरिजोना के रिपब्लिकन सांसद एली क्रेन ने बिल को संसद में रखा है। बिल पर हस्ताक्षर करने वाले अन्य सांसदों में ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स शामिल हैं। अमेरिकी हितों से जुड़े इस बिल पर डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ सांसदों का भी समर्थन मिलने के आसार हैं। सूत्रों के अनुसार, 100 सांसदों की सीनेट में 60 सांसदों का समर्थन मिलने के बाद साल के अंत तक वोटिंग संभव है। इस बिल से सबसे ज्यादा भारतीय प्रभावित होंगे। क्योंकि, अमेरिका में हर साल जारी होने वाले लगभग 85 हजार एच-1 बी वीजा में से लगभग 63 हजार वीजा भारतीय प्रोफेशनल्स को मिलते हैं। दूसरे नंबर पर चीन के प्रोफेशनल्स आते हैं। ट्रम्प के कट्टरपंथी मागा समर्थक (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) एच-1 बी वीजा के विरोधी रहे हैं।

झटका : टीसीएस टॉप लूजर रही, वैल्यू 66,699 करोड़ कम हुई, रिलायंस का मार्केट कैप भी घटा

टॉप-10-कंपनियों में से 7 की वैल्यू 2.05 लाख करोड़ घटी

मुंबई, एजेंसी

मार्केट कैप के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 2.05 लाख करोड़ रुपए घट गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी TCS की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी है। TCS का मार्केट कैप 66,699 करोड़ रुपए घटकर 8.67 लाख करोड़ पर आ गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यू 50,670 करोड़ घटकर 17.96 लाख करोड़ पर आ गई। HDFC बैंक की मार्केट वैल्यू 23,090 करोड़ बढ़कर 12.08 लाख करोड़ हो गई है। वहीं LIC, भारतीय एयरटेल, ICICI बैंक और लार्सन एंड टुब्रो की वैल्यू भी घटी है। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बजाज फाइनेंस की वैल्यू बढ़ी है। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 1,830 (2.33%) और निफ्टी 455 (1.87%) अंक गिरा था। वहीं

बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार 24 अप्रैल को सेंसेक्स 1000 अंक (1.29%) की गिरावट के साथ 76,664 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 275 अंक (1.14%) गिरकर 23,898 के स्तर पर आ गया था। बीते सप्ताह शेयर बाजार में भी दबाव देखने को मिला। BSE Sensex 1,830 अंक यानी 2.33% गिरा, जबकि Nifty 50 में 455 अंक यानी 1.87% की गिरावट दर्ज की गई।सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार (24 अप्रैल) को सेंसेक्स 1,000 अंक (1.29%) टूटकर 76,664 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 275 अंक (1.14%) गिरकर 23,898 के स्तर पर आ गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, वैश्विक बाजारों के दबाव, ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता और निवेशकों की सतर्कता के चलते बाजार में यह गिरावट देखने को मिली। आने वाले दिनों में प्रमुख कंपनियों के नतीजों और वैश्विक संकेतों पर बाजार की दिशा निर्भर करेगी।

इसे एक उदाहरण से समझें...

मान लीजिए... कंपनी 'ए' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ एक्स 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

बीते हफ्ते सेंसेक्स 1830 अंक गिरा था

पिछले हफ्ते सेंसेक्स 1,830 (2.33%) और निफ्टी 455 (1.87%) अंक गिरा था। वहीं बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार 24 अप्रैल को सेंसेक्स 1000 अंक (1.29%) की गिरावट के साथ 76,664 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 275 अंक (1.14%) गिरकर 23,898 के स्तर पर आ गया था।

भारत में दुनिया के तीसरे सबसे अधिक अरबपति है

2031 तक अरबपतियों की संख्या बढ़कर 313 हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनियाभर में हर 24 घंटे में 89 नए लोग 'सुपर-रिच' क्लब में शामिल हो रहे हैं। ये सुपर-रिच लोग वे हैं जिनकी संपत्ति 3 करोड़ डॉलर (करीब 282 करोड़ रुपए) से ज्यादा है। बीते पांच साल में ऐसे सुपर रिच की संख्या 162,191 बढ़ी है।

नाइट फ्रैंक की वेल्थ रिपोर्ट 2026 के मुताबिक यह 2021 में 5.51.435 थी. जो 2026 तक बढ़कर 7,13,626 हो गई। भारत में भी यह तस्वीर उत्साहजनक है। यहां ऐसे बड़े अमीरों की संख्या 2021 में करीब 12,000 से बढ़कर 2026 में 19,877 हो गई, जो 63% की बढ़त है। 2031 तक यह संख्या

27% और बढ़कर 25,217 तक पहुंचने का अनुमान है। 207 अरबपतियों के साथ भारत फिलहाल तीसरे स्थान पर है।

अनुमान है कि 2031 तक देश में अरबपति 51% बढ़कर 313 हो जाएंगे। हालांकि ग्लोबल अल्ट्रा-वेल्थ में भारत की हिस्सेदारी अभी मात्र 2.8% है, लेकिन इसकी रफ्तार लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले पांच साल में इंडोनेशिया में अमीरों की संख्या सबसे ज्यादा 82% बढ़ेगी।

सऊदी अरब और पोलैंड में यह वृद्धि 63% रहने का अनुमान है। वियतनाम में भी 59% की बढ़त के साथ नए वेल्थ हब उभर रहे हैं।

दुनिया के सुपर रिच लोगों में अमेरिका की हिस्सेदारी 2021 में 33% थी, जो बीते पांच साल में बढ़कर 2026 में 35% हो गई है। साल 2031 तक इनकी हिस्सेदारी 41% तक पहुंचने का अनुमान है। बीते 4 साल में बने सभी नए सुपर रिच में से 41% अकेले अमेरिका से हैं।

लखनऊ-हरदोई हाईवे पर इकट्ठा हुए सैकड़ों लोग

काला-पीला झंडा लेकर कर रहे नारेबाजी, मल्हिया पासी द्वार हटाने पर आक्रोश

तमसा संकेत, एजेंसी

मलिहाबाद। मलिहाबाद में मल्हिया पासी स्मृति द्वार हटाए जाने के विरोध में रविवार को सैकड़ों लोग लखनऊ-हरदोई स्टेट हाईवे पर इकट्ठा हो गए। हाथों में काला-पीला और लाल-पीला झंडा लेकर नारेबाजी की। इस दौरान राज्यमार्ग पूरी तरह से जाम हो गया। बताया गया कि ये लोग सुहेलदेव आर्मी और लाखन पासी की टीम के कार्यकर्ता थे। सूचना मिलने के बाद मौके पर भारी पुलिस बल बुला लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर वापस घरों को भेज दिया। बता दें कि मल्हिया पासी द्वार को फिर से लगवाने की मांग को लेकर उसी जगह पर शनिवार को पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर और उनकी पत्नी विधायक जयदेवी धरने पर बैठ गए थे। प्रशासन की ओर से दिया गया तय समय बीत जाने के बाद भी स्मृति द्वार दोबारा स्थापित नहीं किया गया। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। वो सड़क

पर उतर आए। उनकी मांग है कि द्वार लगवाया जाए। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर और क्षेत्रीय विधायक जयदेवी कौशल के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन धरना भी 25 अप्रैल से चल रहा है। विधायक जयदेवी कौशल ने मल्हिया पासी स्वागत द्वार लगवाया था। कटवाकर हटाए जाने के बाद दोबारा लगवाने की मांग के साथ धरने पर बैठ गईं। मलिहाबाद थाने से जारी एक प्रेसनोट में बताया गया है- यह घटना 22 अप्रैल 2026 की रात करीब 3:14 बजे हुई। कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने क्रेन या हाइड्रा मशीन का उपयोग करके स्वागत द्वार को गिरा दिया। इसके बाद वो एक डीसीएम वाहन से द्वार के वहां से ढो ले गए। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिससे इसकी पुष्टि हुई है। सीसीटीवी फुटेज और वीडियो के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। थाना मलिहाबाद में इस मामले को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही उनको गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मलिहाबाद कस्बे में मोहान तिराहे पर विधायक निधि से महाराजा मल्हिया पासी स्मृति गेट लगवाया गया। उसे 21 अप्रैल को देर रात उखाड़ दिया गया। कुछ लोग उसे क्रेन से उखाड़ और काटकर डीसीएम में लादकर ले जाते दिखे। उस घटना के बाद 22 अप्रैल को क्षेत्र का माहौल तनावपूर्ण हो गया। पासी समाज के आक्रोशित लोगों ने सुबह करीब 11 बजे मोहान तिराहे पर मलिहाबाद जाने वाले मुख्य मार्ग को जामकर धरना शुरू कर दिया। उन्हें प्रशासन ने किसी तरह 2 दिन की मोहलत के साथ मना लिया। धरने में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर भी पहुंचे थे। 2 दिन बाद जब द्वार नहीं लगा तो खुद कौशल किशोर 25 अप्रैल को पत्नी विधायक जयदेवी के साथ धरने पर बैठ गए। 26 अप्रैल को एक बार फिर सुहेलदेव आर्मी और लाखन पासी की टीम के लोगों ने

विधायक जयदेवी की निधि से लगवाया गया था द्वार

यह स्मृति द्वार विधायक जयदेवी की निधि से लगवाया गया था। बताया जा रहा है कि इसे बीते 22 अप्रैल को ठेकेदार ने काटकर हटा लिया था। घटना के बाद उसी दिन पासी समाज के लोगों ने धरना-प्रदर्शन कर स्मृति द्वार को दोबारा स्थापित करने की मांग की थी। उस समय प्रशासन ने दो दिन का समय लेकर धरना समाप्त कराया था।

- विधायक जयदेवी कौशल ने मल्हिया पासी स्वागत द्वार लगवाया था। कटवाकर हटाए जाने के बाद वह दोबारा लगवाने की मांग के साथ धरने पर बैठ गईं।
- हरदोई-लखनऊ स्टेट हाईवे पर लंबा जाम लग गया। इस दौरान प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते रहे।

"मोहान रोड पर 'महाराजा मल्हिया पासी स्वागत द्वार' गिराए जाने के मामले में पुलिस को 25 अप्रैल को सीसीटीवी फुटेज और वीडियो मिले थे। इनमें कुछ लोग क्रेन और हाइड्रा मशीन से द्वार को गिराते दिख रहे हैं। इसके बाद उसे काट-काटकर डीसीएम से लादकर ढो ले गए। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है।"

बुलंदशहर में बर्थडे बॉय ने 3 दोस्तों को मार डाला

पत्नी बोलीं- खून के बदले खून चाहिए, साथ हुआ अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। बुलंदशहर में बर्थडे पार्टी के दौरान भाजपा सभासद के भाई, चचेरे भाई और भतीजे की हत्या कर दी गई। हत्या करने वाला बर्थडे बॉय ही है। वारदात शनिवार देर रात 12 बजे जिम में हुई, जहां पार्टी चल रही थी। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सभासद के चचेरे भाई ने बर्थडे बॉय के चेहरे पर केक लगा दिया। इससे बर्थडे बॉय भड़क गया। पहले कहासुनी हुई। फिर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर भाजपा के भाइयों-भतीजे पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। तीनों को गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी भाग गए। मामला खुर्जा के RJS फिटनेस जिम का है। मुख्य आरोपी जीतू सैनी बसपा का नगर अध्यक्ष रह चुका है। फायरिंग में मनीष सैनी (30), आकाश सैनी (19) और अमरदीप सैनी (32) की मौत हुई है। मनीष वार्ड नंबर- 24 के भाजपा सभासद संजय सैनी के छोटे भाई थे। आकाश उनके भतीजे और अमरदीप चाचा के लड़के थे। रविवार दोपहर करीब 2:45 बजे मृतक मनीष सैनी की मां अयोध्या से खुर्जा पहुंचीं। रोते-रोते वह बेसुध हो गईं। बड़ी मुश्किल से लोगों ने उन्हें संभाला। शाम करीब 4 बजे तीनों के शव कड़ी सुरक्षा में घर पहुंचे। फिर शाम करीब 6 बजे तीनों का एक साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। वारदात के बाद से इलाके में तनाव है। भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है। आसपास के बाजार बंद हैं। जगह-जगह बैरिकेडिंग कर चप्पे-चप्पे निगरानी की गई।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पार, चल रही लू

लखनऊ। लखनऊ में आज यानी रविवार को सुबह 10 बजे से ही लू चलने लगी। दोपहर 12 बजे तापमान 42°C पार हो गया। मौसम विभाग ने कहा है कि आज की गर्मी कल (शनिवार) का रिकॉर्ड तोड़ेगी। अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहेगा। सुबह से ही तेज धूप निकली है, जिससे भीषण गर्मी लोगों को सता रही है। उमसभरी गर्मी के बीच गर्म हवा के थपेड़े चल रहे हैं।

फॉर्च्यूनर ने स्कूटी वाले को रौंदा, मौत

लखनऊ। लखनऊ के कैसरबाग थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक फॉर्च्यूनर गाड़ी ने दो हादसे किए। उसने पहले स्कूटी सवार युवक को टक्कर मारी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके बाद बेकाबू होकर फुटपाथ की ओर बढ़ी और सो रहे दो मजदूरों पर चढ़ गई। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बर्लिंगटन चौराहे के पास हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉर्च्यूनर के ड्राइव को हिरासत में लेकर गाड़ी को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान आलमबाग के सुनील उर्फ सोनू के रूप में हुई है। वह अपनी एक्टिवा से जा रहा था, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल दोनों मजदूरों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस दोनों की पहचान कर रही है।

बस के नीचे आने से बुजुर्ग की मौत

लखनऊ। लखनऊ के खदरा चुंगी के पास रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। रोडवेज बस से उतरते समय 72 वर्षीय बुजुर्ग की फिसलकर बस के नीचे गिर गए। इसी दौरान बस का पिछला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान खदरा निवासी अवधेश मिश्रा के रूप में हुई। वह दिल्ली से लखनऊ बस से लौटे थे। खदरा चुंगी के पास बस से उतरते वक्त उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़े।

अर्बन चैलेंज फंड से शहरों के कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त : मंत्री श्री ए. के. शर्मा

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने अर्बन चैलेंज फंड से संबंधित बैठक में किया प्रतिभाग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री A. K. Sharma ने नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 'अर्बन चैलेंज फंड' (UCF) से संबंधित रणनीतिक बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक केंद्रीय मंत्री Manohar Lal Khattar की अध्यक्षता में हुई, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने शहरी विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने, निर्णय प्रक्रिया को सरल बनाने, अनुमोदन प्रणाली को मजबूत करने और निधियों के समयबद्ध निर्गमन जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान A. K. Sharma ने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड के तहत निर्धारित 1 लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता देश के शहरी विकास को नई दिशा देने वाली ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि

यह फंड राज्यों और शहरों को आर्थिक विकास केंद्र के रूप में विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और UCF के अंतर्गत चयनित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से लागू किया जाएगा। इन परियोजनाओं में एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र (ICCC), नगर सेवाओं का डिजिटलीकरण, ड्रोन आधारित अतिक्रमण प्रबंधन, ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट (TOD), डंपसाइट पुनर्वास, अपशिष्ट प्रबंधन, विरासत संरक्षण और स्ट्रीट लाइटिंग जैसे कार्य शामिल हैं। A. K. Sharma ने कहा कि इस पहल से शहरी अवसंरचना मजबूत होगी, साथ ही रोजगार सृजन, निवेश को बढ़ावा और सतत विकास को गति मिलेगी।

बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर,प्रमुख सचिव नगर विकास श्री पी गुरु प्रसाद,अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और शहरी विकास क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से उत्तर प्रदेश के शहर आधुनिक और आत्मनिर्भर बनेंगे। बैठक में वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि और शहरी विकास क्षेत्र के विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।

होमगार्ड-भर्ती परीक्षा देने जा रहे युवक की लखनऊ में मौत

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, बहन की विदाई के दिन उजड़ा घर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र में आज रविवार सुबह सड़क हादसे में होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने जा रहे युवक की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। आज ही मृतक की बहन की विदाई हो रही थी। वह कल बारात के स्वागत के बाद आज पेपर देने जा रहा था। मृतक की पहचान बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित गौरा करौंदी गांव के अनुभव सिंह के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह मां-बाप का इकलौता था। अपने चचेरे भाई कुलदीप सिंह के साथ बाइक से रायबरेली परीक्षा देने जा रहा था। सुबह करीब जब वे निगोहां के

भगवानपुर गांव के पास पहुंचा, तभी उसकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अनुभव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कुलदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी भेजा और शव को कब्जे में ले लिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। शनिवार को ही अनुभव की बहन आकांक्षा की शादी हुई थी और रविवार को उसकी विदाई होनी थी। विदाई के वक्त ही भाई की मौत की खबर घर पहुंची, जिससे शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। अनुभव अपने परिवार का इकलौता बेटा था। परिवार में पिता राजेश, मां शीला और दो बहनें आकांक्षा और प्रिया हैं। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

गाजीपुर कांड पर अखिलेश यादव का हमला : "बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता"

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने गाजीपुर के करंडा कटरिया मामले में कहा कि बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता है। उत्तर प्रदेश ने इतना कमज़ोर मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा जो घोर अत्याचार के शिकार ग़रीब-बेबस पीड़ितों पर दबाव डालकर बयान बदलवाते हैं श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सवाल ये हैं कि एफ़आइआर लिखवाने में इतनी देर क्यों हुई?, बातें क्यों बदलवाई गईं?, पीड़ित परिवार को और उत्पीड़ित क्यों किया जा रहा है? ,पुलिस तक पर पथराव करने वाले वर्चस्ववादियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने से किसने रोका? पोस्टमार्टम पर सवालिया निशान क्यों लगा? श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो ये है कि सबको सच मालूम है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट कुछ भी कहे गाँव के हर घर को ज़मीनी सच्चाई मालूम है। सब जानते हैं हुआ क्या है और कहलवाया क्या जा रहा है। इससे गाँव के हर समाज में भाजपा के झूठ की बात पहुँच गयी है। इससे पीडीए समाज में बहुत गुस्सा और आक्रोश

है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर की बेटी हत्याकांड, हाथरस की बेटी हत्याकांड का दोहराव है। इन दोनों में एक बात समान है, पीड़ितों के परिवार 'पीडीए परिवार' थे और उत्पीड़क वर्चस्ववादी थे। हमारा गंभीर सवाल ये है कि 'दिखावटी कार्रवाई से क्या पीड़ित परिवार को न्याय मिल पायेगा?' इस अन्याय की मूल वजह ये है कि समाज में भेदभाव है, इसीलिए हम कहते हैं कि बात सिर्फ़ 'न्याय का राज' की नहीं 'सामाजिक न्याय का राज' लाने की होनी चाहिए। यही सबसे बड़ा लक्ष्य होना चाहिए। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय का राज' लाने का पीडीए का मिशन दरअसल आज़ादी के बाद की एक और 'असली आज़ादी' का आंदोलन है। एक ऐसी आज़ादी की बात जो लोगों के नज़रिये को बदलने की बात करती है। बराबरी एक भावना है जो दुराव से नहीं, सच्चे लगाव से पैदा होगी। तब देश की एकता सच में एक होगी और सब मिलकर तरक़्क़ी करेंगे। जिस दिन शोषक-शोषित का भेद समाप्त हो जाएगा और मन से लोग समता को स्वीकार कर लेंगे वो दिन ही 'असली आज़ादी' लेकर आएगा, हम इसके लिए ही संघर्षरत हैं, हम अब आगे ही बढ़ेंगे, हम हर हाल में इस लड़ाई को लड़कर जीतेंगे, इसके लिए चाहे साल लगे या सदी। Akhilesh Yadav ने कहा कि केवल दिखावटी कार्रवाई से न्याय नहीं मिलेगा, बल्कि समाज में व्याप्त भेदभाव को खत्म करना होगा। उन्होंने "सामाजिक न्याय का राज" स्थापित करने पर जोर देते हुए इसे एक बड़े आंदोलन की जरूरत बताया।उन्होंने कहा कि बराबरी और समता की भावना से ही देश की असली एकता मजबूत होगी और तभी सही मायनों में "असली आजादी" का सपना पूरा हो सकेगा।

कार्यवाई : एआई से पेपर सॉल्व कराने का लिया ठेका, 2 फर्जी कक्ष निरीक्षक पकड़ाए, दूसरे दिन की परीक्षा जारी

यूपी होमगार्ड परीक्षा में केमेस्ट्री प्रवक्ता समेत 3 अरेस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। यूपी में 42 हजार होमगार्ड पदों पर भर्ती के लिए दूसरे दिन की परीक्षा जारी है। कानपुर में AI से एग्जाम में नकल कराने में पुलिस ने केमेस्टी के लेक्चरर समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। बीएनएसडी इंटर कालेज के प्रवक्ता और शिक्षक नेता अखिलेश ने दो ट्यूशन टीचरों को बगैर ड्यूटी कॉलेज में कक्ष निरीक्षक बनाया। सभी नकल कराने की तैयारी कर रहे थे। पेपर को कॉपी करने के लिए प्रिंटर और AI से सवालों के जवाब के लिए एनसीसी के बंद क्लास में तैयारी की थी। पुलिस ने तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। प्रदेश के 1053 केंद्रों पर शनिवार से शुरू हुई परीक्षा 27 अप्रैल तक चलेगी। इसमें 25 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को देखते

हुए पूरे प्रदेश में पुलिस अलर्ट मोड पर है। 2 घंटे की परीक्षा 100 अंकों की है, जिसमें वैकल्पिक सवाल पूछे जा रहे हैं। बगैर ड्यूटी फर्जी तरीके से दो लोगों को कक्ष निरीक्षक बनाया कक्ष निरीक्षक निर्मल कुमार को बुलाकर पूछा गया तो उन्होने कहा कि हां मैने ही पेपर सॉल्व करने के लिए एक पेपर संदीप चन्द्र विश्वकर्मा को दिया है।

■ कानपुर के जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में होमगार्ड परीक्षा के लिए रोल नंबर मिलाते अभ्यर्थी।

कानपुर में एनसीसी कमरे में पेपर साल्व करने की थी तैयारी

कानपुर DCP सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया- बीएनएसडी इंटर कॉलेज चुन्नीगंज को होमगार्ड परीक्षा का सेंटर बनाया गया है। यहां पर अंग्रेजी के प्रवक्ता ललित बाजपेई को केंद्र व्यवस्थापक बनाया गया था। कॉलेज में दो केन्द्र ब्लाक-ए और ब्लॉक- बी बने हैं। शनिवार को होमगार्ड परीक्षा की दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे की थी। दूसरी पाली के सभी अभ्यर्थी अपने कक्षाओं में बायोमैट्रिक कराकर चले गए थे। दोपहर 2 बजकर 55 मिनट पर में ब्लाक ए केंद्र पर एक व्यक्ति परीक्षा कक्ष की तरफ से वाशरूम जा रहा था। सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ लगी पुलिस ने उसे रोका।

पृष्ठ 01 का शेष...

60,244 ...

15 अभ्यर्थियों को अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से लखनऊ में लेटर बांटे थे। योगी ने कहा- 2017 से पहले जिस प्रदेश में दंगे होते थे, वहां महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। अब दंगे होने से पहले ही उन्हें रोकने में यूपी पुलिस सक्षम है। यूपी में महिला कार्यबल 13 प्रतिशत से बढ़कर 26 प्रतिशत हो गया है। यूपी पुलिस बल ने खुद को तैयार किया है। उन्होंने कहा- अब आप फील्ड ड्यूटी पर जाएंगे। अपराधियों के लिए जितना कठोर हों, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील भी होना चाहिए। आपने प्रशिक्षण लिया है। उम्मीद है कि आप यूपी पुलिस की गौरवमयी परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। योगी ने कहा- यूपी में अब गुंडा टैक्स और वसूली नहीं होती है। अपराधियों के मन में भय है। पुलिस का मनोबल ऊंचा है। अपराध और अपराधियों के साथ जीरो टॉलरेंस की नीति है। भर्तियां हुई हैं। 20 प्रतिशत बेटियों की अनिवार्य भर्ती की गई है। मुझसे कहा गया कि दीक्षांत परेड में बेटियां हिस्सा ले रही हैं। तब मैंने कहा कि जहां बेटियां होंगी, वहां मैं जरूर जाऊंगा। उन्होंने कहा कि 2017 की तुलना में पुलिस का बजट तीन गुना बढ़ाया गया है। 2019–2020 से लगातार महिला सुरक्षा के लिए काम किए जा रहे हैं। हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र बनाए गए हैं। पीएसी की तीन महिला बटालियन भी दी गई हैं। सीएम ने कहा- यूनिफॉर्म की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासन होता है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद में उतना कम खून बहाने की नौबत आएगी। बेटियों ने जिस अनुशासन के साथ प्रशिक्षण लिया है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा - आज यूपी पुलिस देश की बेहतरीन पुलिस बल है। 2017 में प्रशिक्षण की क्षमता मात्र 3 हजार थी। 60 हजार का प्रशिक्षण यूपी के केंद्रों में ही किया गया है। श्री-नॉट-श्री के बजाय इंसास राइफल से प्रशिक्षण दिया गया।

टीएमसी का घमंड ...

उनके खिलाफ मीम्स बना रहे हैं। मोदी ईमानदारी से चुनाव नहीं जीत सकते। उनके तीन दोस्त हैं- ED, CBI और ज्ञानेश कुमार। PM ने पूरे देश से सेना यहां बुला ली है, इसकी क्या जरूरत है? इतना सब होने के बाद भी अगर मोदी जी चुनाव हार जाते हैं, तो बंगाल के लोग उनसे पूछना चाहते हैं कि क्या वह इस्तीफा देंगे? कोलकाता में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने TMC के समर्थन में रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा- एक साल पहले मुझे झूठे केस में जेल भेजा गया था। अब ED, CBI, केंद्रीय बल, मोदी जी, सब लोग ममता बनर्जी पीछे पड़े हैं। भाजपा के मुख्यमंत्री घर-घर जा रहे हैं, एक महिला के पीछे सब लगे हैं। फिर भी वह जीतेंगी क्योंकि उन पर काली मां का आशीर्वाद है। PM ने कहा- बंगाल में TMC की सरकार नबन्ना सचिवालय से नहीं चलती, बल्कि गुंडों के जरिए चलती है, या फिर तब काम करती है जब हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से आदेश आता है। उन्होंने आगे कहा- बंगाल को ऐसी सरकार चाहिए जो उसकी क्षमता के साथ न्याय कर सके और लोगों के सपनों को पूरा करे। यह काम सिर्फ भाजपा सरकार कर सकती है। PM ने कहा- 15 साल तक TMC ने बंगाल के लोगों को डराकर रखा, लेकिन वे एक बात भूल गए। जब अत्याचार अपनी सीमा पार करता है, तो जनता मां दुर्गा का रूप लेकर अन्याय का अंत करती है। आज बंगाल के हर बूथ पर उमड़ती भीड़ यही कह रही है- डर खत्म, भरोसा शुरू। PM मोदी ने हुगली के हरिपाल में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- कुछ समय पहले मैं सिंगूर आया था। उस समय मैंने TMC की निर्मम सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा साफ देखा था। आज मैं वही गुस्सा फिर देख रहा हूं। अब यह अपने चरम पर पहुंच चुका है। इस गुस्से में बंगाल की सिर्फ एक ही घोषणा है, बंगाल का एक ही संकल्प है। बंगाल ने अपना मन बना लिया है। PM ने कहा- इस बार बंगाल मतदान के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगा, और 23 अप्रैल को मेरे बंगाल के भाइयों-बहनों ने यह दिखा भी दिया है। जो लोग जनता के मूड को समझ नहीं पाए, वे इतनी भारी वोटिंग की खबर सुनकर हैरान हैं, और कुछ की तो नींद ही उड़ गई है। TMC के लोग खुद भी चौंक गए हैं और परेशान हैं। उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि इतनी बड़ी संख्या में लोग वोट देने निकलेंगे। पीएम मोदी ने बंगाल के ठाकुरनगर के बनगांव में जनसभा के दौरान कहा कि टीएमसी के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है। दीदी ने बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर किया है। टीएमसी के महाजंगलराज में छोटे से छोटा नेता और छोटे से छोटा गुंडा भी खुद को सरकार समझता है। PM ने कहा- 24 परगना और हुगली के बीच का ये इलाका कभी मिलों और फैक्ट्रियों का इलाका हुआ करता था। लेकिन अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे कारखाने भी बंद हो रहे हैं। बनगांव से बैरकपुर तक अनेक फैक्ट्री 15 साल में बंद हुई हैं। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में सुरक्षाबलों ने 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से पहले बालीगंज में फ्लैग मार्च निकाला। PM ने कहा- बंगाल के युवा काफी प्रतिभाशाली हैं, लेकिन TMC सरकार ने उन्हें नशे की ओर धकेल दिया है। हमारा बंगाल 'क्रिएटिविटी का किंग' है। भाजपा बंगाल के युवाओं की रचनात्मकता को ताकत देगी।

मजदूर पर गिरा मिट्टी का टीला, जिंदा दफन

14 फीट गहरे गड्ढे में काम कर रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में मिट्टी के टीले में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। वह 14 फीट गहरे गड्ढे में पानी की पाइपलाइन सही कर रहा था। जेसीबी से मिट्टी हटाकर साथियों ने उसे बाहर निकाला। अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें मिट्टी का टीला गिरता दिख रहा है। मजदूर के बड़े भाई ने बताया कि मिट्टी धसक रही थी। मेरे भाई ने गड्ढे में जाने से मना किया था। लेकिन, जेई ने गाली-गलौज कर और लात मारकर उसे जबरन गड्ढे में धकेल दिया। हादसे के बाद जेई मौके से भाग निकला। इसके बाद मजदूर के घरवालों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने पुलिस से शव खींच लिया। करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। पुलिस ने कार्रवाई का

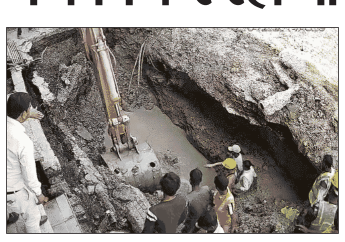

अश्वासन दिया, तब लोग शांत हुए। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना शनिवार दोपहर 2 बजे की रेलवे रोड की है। अलीगढ़ के जवां में रहने वाला महेंद्र (32) मजदूर था। वह अलीगढ़ में किराए के कमरे में परिवार के साथ रहता था। महेंद्र के परिवार में पत्नी और 2 बच्चे हैं। एक 16 साल का बेटा और 11 साल की बेटी है। रेलवे रोड पर सीवर लाइन डाली गई थी। इस दौरान पानी की पाइपलाइन फट गई थी। जलकल विभाग ने पाइपलाइन ठीक करने के लिए करीब 14 फीट गड्ढा खोदा था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676